प्रारंभिक

गायन - वादन (स्वरवाद्य)

पूर्णांक : 50 न्यूनतम 18

क्रियात्मक : 40 शास्त्र (मौखिक) : 10

सूचना : *इस परीक्षा में स्वर और ताल से परिचित होना तथा उसका क्रियात्मक संगीत में साधारण प्रयोग करना विद्यार्थी से अपेक्षित है। इस परीक्षा के लिए शास्त्रीय ज्ञान की जाँच क्रियात्मक के समय मौखिक रूप में की जायेगी।*

शास्त्र :

पाठ्यक्रम के रागों का वर्णन (ठाठ, स्वर, समय, वादी, संवादी, आरोह-अवरोह) तालः कहरवा, दादरा, तथा त्रिताल का ज्ञान। हाथ से ताली देकर बोलने का अभ्यास। सोलह मात्राओं के समान आठ मात्राओं का त्रिताल (मध्यलय) भी प्रमाणित है।

क्रियात्मक :

अ) स्वरज्ञान : शुध्द स्वर, अलग - अलग तथा सरल समुदाय में गाना - बजाना तथा पहचानना। निम्नलिखित स्वर अलंकारों से प्रारंभिक परिचय।

अलंकार :-

१) सारेगमपधनीसां

२) सारेग, रेगम, गमप.........., सांनीध, नीधप, धपम

३) सारेगम, रेगमप, गमपध........., सांनीधप, नीधपम

४) सारेसारेग, रेगरेगम,.........., सांनीसांनीध, नीध़, नीधप

५) साग, रेम, गप, मध.........., सांध, नीप, धम

६) सा, सारेसा, सारेगरेसा.........., सां. सांनीसां, सांनीधनीसां

आ) रागज्ञान : निम्नलिखित रागोंमे एक-एक बंदिश या गत स्वरतालबध्द गाना/ बजाना।

दुर्गा, काफी, खमाज, भीमपलासी, बागेश्री, भूपाली, देस इन सभी रागों के आरोह अवरोह और पकड़ गाना-बजाना तथा सरल स्वर समुदाय से राग पहचानना।

अंकपत्रिका :

इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी के लिए 10 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। हर एक छात्र की परीक्षा अलग-अलग लेना आवश्यक है। प्रश्न पूछते समय हर एक कॉलम में अलग अलग रागों पर प्रश्न पूछना चाहिये जिस से पूरा पाठ्यक्रम जांचा जा सकता है। हार्मोनियम का उपयोग केवल आधार स्वर (षड्ज-पंचम/मध्यम) के लिए होगा। प्रथम राग गाते समय संगत करने की अनुमति होगी।

स्वर लगाना (सा. प. सां.) तथा एक अलंकार : 4 अंक ।

पूछे गए रागोंमे से किसी एक राग में आरोह - अवरोह के साथ बंदिश : 8 अंक ।

अन्य एक राग का आरोह-अवरोह तथा बंदिश : 8 अंक ।

आरोह-अवरोह सुनकर राग पहचानना (1 राग) : 4 अंक ।

एक राग का आरोह अवरोह गाना : 6 अंक ।

स्वर पहचानना : सारे, मग, धनि इस प्रकार अथवा सारेग, मपध, सांनिध, इस प्रकार : 6 अंक ।

किसी एक ताल की जानकारी तथा दूसरे ताल का ठेका : 4 अंक ।

शास्त्र (मौखिक) एक राग की संपूर्ण जानकारी : 6 अंक ।

एक राग का वादी संवादी 2 अंक, एक राग का समय और विकृत/ वर्ज्यस्वर 2 अंक : 4 अंक ।

कुल : 50 अंक।